विदेश में नौकरी करने के बजाय स्टार्टअप शुरू कर बने आंत्रप्रेन्योर : पिरामल

आईआईटी इंदौर डॉक्टर ऑफ साइंस की मानद उपाधि से पिरामल सम्मानित

इंदौर। नईदुनिया रिपोर्टर

आईआईटी से डिग्री करने के बाद अधिकांश छात्र विदेश में नौकरी के लिए चले जाते है लेकिन इसके बजाय स्टूडेंट्स खुद का स्टार्टअप शुरू कर आंत्रप्रेन्योर बने। फ्लिपकार्ड व उबेर जैसे कई स्टार्ट अप आज उदाहरण है कि वो किस तरह बिलियन डॉलर की कंपनी बन गए। यह बातें पिरामल ग्रुप के चेयरमैन अजय पिरामल ने आईआईटी इंदौर के दीक्षांत समारोह में कही। उन्हें आईआईटी इंदौर डॉक्टर ऑफ साइंस की मानद उपाधि दी।

पिरामल ने कहा कि आज आईआईटी एक युवा संस्थान है और भारत की 65 फीसदी आबादी में 30 साल से कम के लोग हैं। दुनियाभर की युवा पीढ़ी विकास के साथ बदलाव में अहम भूमिका निभा रही है। युवा पीढ़ी को मौजूदा सिस्टम व लोगों की जरूरत को समझकर उसके हिसाब से काम करना चाहिए। भारत में कई तरह की समस्याएं हैं, जिसमें मैनेजमेंट की जरूरत है, वक्त के साथ जरूरतें भी बदलती जा रही हैं।

अब आपको इस तरह के काम करना चाहिए जिससे कि ग्रामीण भारत को एक नई दिशा मिले वो भी विकास की दौड़ में शामिल हो सके। अजय पिरामल के साथ दीक्षांत समारोह में उनकी पत्नी स्वाति व बेटी नंदिनी भी आई थीं।

आपके कंधों पर है जिम्मेदारी 'मेक इन इंडिया' के लिए करे काम

दीक्षांत समरोह के मुख्य अतिथि ख्यात गणितज्ञ पद्मभूषण प्रो.एमएस रघुनाथन ने कहा कि जेईई के बाद जब आपने आईआईटी में प्रवेश लिया था वो वह एक बड़ी जिम्मेदारी थी लेकिन यहां से पास होने के बाद उससे भी ज्यादा बड़ी जिम्मेदारी पासआउट हो रहे छात्रों पर है। अब मौका है जो आपने समाज से लिया उसे लौटाने का।

आईआईटी इंदौर के दीक्षांत समारोह में सोमवार को पिरामल ग्रुप के चेयरमैन अजय पिरामल को मानद उपाधि देते ख्यात गणितज्ञ एमएस रघुनाथन व आईआईटी इंदौर के डायरेक्टर प्रदीप माथुर। इस अवसर पर पिरामल की पत्नी और बेटी भी उपस्थित थीं।

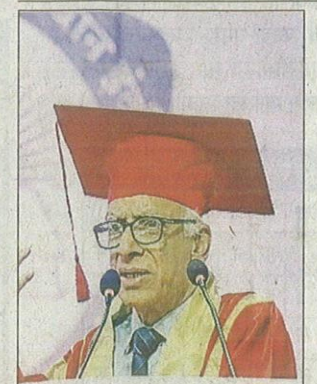

प्रो.एमएस रघुनाथन

आपमें से कई युवा 'मेक इन इंडिया' स्लोगन को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभा सकते है। आज जमीन से जुड़े हुए इनोवेशन की जरूरत है। स्टीम इंजन, इंटरनल कम्बशन इंजन व थॉमस एडिसन द्वारा किए गए इनोवेशन की तरह तकनीक इनोवेशन करने की जरूरत है। एडिसन ने वैज्ञानिक खोज तो की साथ ही वो आंत्रप्रेन्योर भी थे।

इस तरह के इनोवेशन की जरूरत है, जिससे जीवन के तरीके में बदलाव आए। देश में आपका आर्थिक सुदृढ़ता तो सुनिश्चित है लेकिन भारत में साइंटिफिक टेम्परामेंट नहीं है, उसके फैलाव के लिए आपको संघर्ष करना होगा।

पिरामल ने स्टूडेंट्स को आंत्रप्रेन्योर बनने के दिए टिप्स

- रिस्क लेने की क्षमता रखिए। आंत्रप्रेन्योर वहीं बनता है तो चैलेंजेज को अपॉर्च्युनिटी में बदलता है।
- एक दरवाजा बंद होने से घबराओ मत, क्योंकि इसके बाद इससे अच्छा रास्ता आपको मिलेगा।
- अच्छे लोगों की कंपनी में रहिए, जिनसे आप बहुत कुछ सीख सकते हैं।

Nai Dunia (Indore), 20th November 2018, *Nai Dunia Live*, Page-17